an>

Title: The Speaker made opening remarks under Rule 360 outlining the importance of Sustainable Development Goals-way forward for the health and well being for all.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अभी हम नियम 193 के अंतर्गत सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पर चर्चा आरंभ करेंगे, उसमें विशेष रूप से "वे फार्वड फॉर हेल्थ एंड वेल-बिइंग फॉर ऑल" स्वास्थ्य के विशिष्ट विषय लेकर है। इस पर स्पीकर को बोलना नहीं होता है, लेकिन मैं सदस्यों से चर्चा करना चाहूंगीं। आप सभी जानते हैं कि सितम्बर, 2000 में संयुक्त राष्ट्र में सभी राष्ट्रों ने एकत्रित होकर एक मिलेनियम समिट किया था, उस मिलेनियम डेवलपमेंट समिट में आठ गोल्स तय किए गए थे, जिसे वर्ष 2015 तक पूरा करना था। जब यह बात आई, गरीबी, भूखमरी, अशिक्षा और जेंडर इक्वलिटी विषय पर बात करना। वर्ष 2015 में फिर से इस विषय को देखा, परीक्षण किया। यह ध्यान में आया कि जो भी उपलब्धियां हुई हैं, उसमें विभिन्न राष्ट्रों की असमानता है और इस पर अभी काम करना आवश्यक है इसलिए 1 जनवरी, 2016 में हासिल उपलब्धि को टिकाए रखना भी आवश्यक है। वह कैसे निरंतर चलता रहे, यह भी आवश्यक है, इसलिए मिलेनियम डेवलपमेंट गोल्स का स्थान सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स ने ले लिया।

वर्ष 2030 तक 17 लक्ष्य रखे गए, उस पर बहुत विस्तृत रूप से चर्चा है। सभी राष्ट्र अपनी पद्धति से इस पर विचार करने के लिए आगे बढ़ें, योजनाएं बनाएं, ये सारी बातें शुरू हो गई। हम विकास के बाद अपेक्षा करते हैं कि मनुष्य में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाना, समाज में लाना, मानव जीवन में लाना, यही उसका उद्देश्य है। केवल सरकार ही नहीं, बल्कि सरकार की सभी यांत्रिकीय चाहे केन्द्र सरकार हो या राज्य सरकार हो या स्थानीय संस्थाएं हों, पार्लियामेंट अपने आप में एक महत्वपूर्ण अंग है। संसद सदस्यों का भी अपना दायित्व माना गया, इस दृष्टि से जब एजेंडे को स्वीकार किया गया। आप भी देखते होंगे कि सतत् विकास लक्ष्य, जब अपने यहां कोई चीज करनी होती है तो उसे परिवार में कहते हैं। सात पीढ़ी तक इतनी सम्पदा होगा या हम चाहते हैं कि संस्कार भी पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहे, किसी के एक जीवन की बात नहीं है, it is continuity. इसमें भी वही अपेक्षा है। मंत्री स्तरीय बैठकें होती रहती हैं, राष्ट्र अपनी बैठक करता है, स्पीकर लेवल पर भी एक इंटर पार्लियामेंट यूनियन में भी इस पर चर्चा होती रहती है। एशिया के जितने कंट्रीज हैं जिनकी परिस्थितियां एक जैसी हैं, वह भी अपने लेवल पर चर्चा करते हैं। सभी को मिला कर एक विचार बना था कि पार्लियामेंट भी इस पर विस्तृत चर्चा करे क्योंकि इसे लेकर सरकार ने अनेकानेक योजनाएं बनायी हैं।

मैं आज आपसे इसलिए बात कर रही हूं कि हमारा दायित्व क्या है? एक पोजीटिव चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि यह बात किसी एक सरकार की नहीं है। केन्द्र सरकार या राज्य सरकार की नहीं है। हम सबने मिलकर राष्ट्र को कैसे आगे बढ़ाना है, कैसे विकास की तरफ जाना है और विकास को टिकाये रखना है, यह हम सबका कहीं न कहीं दायित्व है। अलग-अलग बैठकें होती रहती हैं, मगर ऐसा तय किया गया, जब सरकार ने विचार किया, संसदीय बैठक, बिजनेस एडवाइजरी बैठक में भी सबने मिलकर सोचा कि संसद के प्रत्येक सत्र में एक बार हम इस विषय पर चर्चा करें, कि हम में भी एक पुकार से वह जागृति आ जाये कि हमारा कर्तव्य क्या है? What we can do. हमारे अपने क्षेत्र में क्या हो रहा है, हमारे अपने स्टेट में क्या हो रहा है? कौन से प्रोग्राम्स लागू करने चाहिए और कौन से प्रोग्राम लागू नहीं करने चाहिए। कौन से प्रोग्राम में खामी है और हम इसे आगे कैसे बढ़ायें, ऐसी एक सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए। केवल हम एक संपूर्ण विषय लेकर चर्चा करें, तो आपको मालूम है कि 17 गोल्स हैं और उसके आगे कई सारे छोटे-छोटे लक्ष्य उसके अनुसंग में रखे हैं। यह बहुत विस्तृत हो जायेगा, तो यह तय किया गया कि अगर हम एक-एक लक्ष्य लेकर चर्चा करें, तो वह चर्चा ज्यादा सकारात्मक भी होगी और ज्यादा उपयुक्त होगी।

इसलिए आज जो चर्चा का विषय रखा गया है, जो हमारा तीन नम्बर गोल है, वह स्वास्थ्य को लेकर है। आज हम स्वास्थ्य के गोल पर चर्चा करेंगे। मैंने आपको इसलिए बोला है कि हम इस दृष्टि से चर्चा करें। It is not a criticism. एक बात कहूं, तो यह अपने आपका परीक्षण है कि हम कैसे करें, हमारा देश कैसे आगे बढ़े। हमारे देश को आगे बढ़ने या इस लक्ष्य को हासिल करने में हम क्या कर सकते हैं और सरकार ने क्या किया है, how we can supplement. इस योजना में कौन सी बातें हो सकती हैं, मैं चाहूंगी कि इस बारे में हम थोड़ी सकारात्मक चर्चा करें। आप सबको मालूम है कि हमने स्पीकर रिसर्च इनीशियेटिव स्थापित किया है। आप सब उसमें सहभाग लेते रहते हैं। हमने इस पर किताबें भी दी थीं। हम इसमें चर्चा भी करते हैं। कहीं न कहीं सदस्यों को विषय की विस्तृत जानकारी मिले, इसलिए प्रयास करते हैं। मैं चाहूंगी कि आज यहां सृजनात्मक चर्चा हो, इस दृष्टि से हम इस विषय को प्रारंभ करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अधीर जी, इसमें भी आपको कुछ कहना है?

â€¦(व्यवधान)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Madam Speaker, I must appreciate you lavishly because after a long time we have heard your speech from the Speaker's Chair. We have got the privilege to hear the Speaker's mind on this issue.

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): अध्यक्ष महोदया, जैसे अभी अधीर रंजन जी आपका स्वागत कर रहे थे, वैसे बहुत दिनों बाद, यानी तीन सालों के बाद इस लोक सभा में, इस सत्र में आपकी मधुर वाणी सुनने का मौका पूरे हाउस को मिला है। वह भी ऐसे एक विषय के बारे में सुनने को मिली है, जिसके बारे में यूएनए ने पूरी दुनिया के सामने सस्टेनेबल डेवलपमैंट गोल्स, यानी विकास के लक्ष्यों के बारे में रखा है। हम इस बारे में पहली बार चर्चा कर रहे हैं। आपने इसकी प्रस्तावना रखी है। सदन का हर सदस्य, हर पार्टी इसका स्वागत करती है। मैं आपको आश्वस्त करूंगा कि हर पार्टी इस विषय के बारे में, यानी विश्व के इन लक्ष्यों को हासिल करने में हमारे पार्लियामैंट का भी योगदान रहे, इस हेतु सकारात्मक चर्चा में हम भाग लेंगे और इन लक्ष्यों को हासिल करेंगे। खासकर इस बार आपने जो स्वास्थ्य सुरक्षा का विषय रखा है - "Healthcare and Well Being for All." यह सबका लक्ष्य होना चाहिए। इसे हासिल करने के लिए आप जितनी उत्सुक हैं, उतने हम सब भी हैं।

एक बार फिर हम आपकी इस प्रस्तावना का तहे दिल से स्वागत करते हैं।

माननीय अध्यक्ष : मैं बाकी समय भी डांटती नहीं हूं, मधुर ही बोलती हूं।

ठीक है, अब हम इस विषय पर चर्चा शुरू करते हैं।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर ।